आप सभी को होली की
हार्दिक शुभकामनाएं !

रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 97 इंदौर, गुरुवार 13 मार्च 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

रंगों का त्योहार

होली की महकती खुशबू और सामाजिक सौहार्द

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और प्रेम का संदेश देने वाला पर्व है। यह त्योहार हमें यह सिखाता है कि भेदभाव, वैमनस्य और कटुता को पीछे छोड़कर प्रेम, मेल-जोल और सौहार्द को अपनाना चाहिए।

होली का सांस्कृतिक महत्व

होली का महत्व भारतीय संस्कृति में सदियों से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। भक्त प्रह्लाद और होलिका की कहानी हमें यह सिखाती है कि सच्चाई और भक्ति का मार्ग ही विजय की ओर ले जाता है। इसी प्रकार, होली का पर्व हमें नकारात्मकता को जलाकर सकारात्मकता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है।

रंगों में घुली सामाजिक एकता

होली का सबसे बड़ा संदेश यह है कि रंग सभी भेदों को मिटा देते हैं। इस दिन न जाति का भेद होता है, न ऊँच-नीच का, न अमीर-गरीब का। सभी लोग एक-दूसरे को रंग लगाकर यह संदेश देते हैं कि हम सब एक हैं। यह पर्व समाज में प्रेम और एकता की भावना को मजबूत करता है।

पर्यावरण संरक्षण और होली

आज के समय में हमें होली को पारंपरिक रूप से मनाने के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए।

जल-संरक्षण को ध्यान में रखते हुए कम पानी से होली खेलना चाहिए और प्राकृतिक रंगों का उपयोग करना चाहिए ताकि त्वचा को कोई हानि न हो। साथ ही, होलिका दहन के लिए कम लकड़ी का उपयोग कर, सूखी पत्तियों और कंडों का प्रयोग कर पर्यावरण संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है।

होली और आर्थिक पहलू

होली न केवल एक सांस्कृतिक पर्व है, बल्कि इसका अर्थव्यवस्था पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। व्यापार, टूरिज्म, मिठाइयों और रंगों का व्यवसाय इस समय चरम पर होता है। इस पर्व से छोटे व्यापारियों, रंग विक्रेताओं, हलवाईयों और ढोल-नगाड़े वालों को भी रोजगार मिलता है।

समाज में सौहार्द बढ़ाने का पर्व

होली का पर्व समाज में भाईचारे की भावना को बढ़ाने का एक अनोखा अवसर है। इस दिन पुराने गिले-शिकवे भुलाकर, नए रिश्ते बनाए जाते हैं।

रंगों का त्योहार

'बातों के बताशे' वाला बजट

रंजीत टाइम्स » भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 4 लाख 21 हजार 32 करोड़ रुपए का बजट विधानसभा में पेश किया, लेकिन इसके साथ ही सियासी बवंडर भी खड़ा हो गया। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने इस बजट को "निराशाजनक और छलावा" करार देते हुए सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि "इस बजट में सिर्फ हवाई बातें और खोखले वादे हैं, जबकि जनता की मूलभूत जरूरतों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है।" लाड़ली बहना योजना को लेकर सरकार ने विधानसभा चुनावों से पहले बड़े-बड़े वादे किए थे। लेकिन बहनों को हर महीने 3000 देने की घोषणा इस बजट में नहीं की गई। "महिलाएं उम्मीद लगाए बैठी थीं, लेकिन सरकार ने उनके साथ विश्वासघात किया है।" इतना ही नहीं, कन्या विवाह योजना में भी भारी कटौती कर दी गई है। आंकड़े बताते हैं कि 2023-24 में 59,445 बेटियों को इस योजना का लाभ मिला था, लेकिन 2024-25 में यह संख्या घटकर मात्र 13,490 रह गई। किसानों के लिए कोई राहत नहीं, समर्थन मूल्य पर भी चुप्पी !कमलनाथ ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनावी घोषणापत्र में वादा किया था कि किसानों को गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 प्रति क्विंटल और धान का 3100 प्रति क्विंटल मिलेगा। लेकिन बजट में इस पर कोई बात तक नहीं की गई। "प्रदेश का किसान लगातार खाद, बीज, बिजली और पानी के संकट से जूझ रहा है, लेकिन सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं!"

सृजन के नाम पर झुनझुना!

कमलनाथ ने सरकार के रोजगार संबंधी दावों को भी कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि "पिछले बजट में रोजगार सृजन का वादा किया गया था, लेकिन इस बार आंकड़े ही छुपा लिए गए।" सरकारी ही नहीं, बल्कि निजी नौकरियों में भी भारी गिरावट आई है। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, पिछले साल निजी क्षेत्र में 15,000 नौकरियां कम हो गईं, जो सरकार की नाकामी को उजागर करता है।

कमलनाथ ने सवाल उठाया कि "सरकार ने 11 नए आयुर्वेदिक कॉलेज खोलने की घोषणा की है, लेकिन पिछले साल जिन मेडिकल कॉलेजों की घोषणा की गई थी, उनका क्या हुआ?" "प्रदेश में पीएम श्री कॉलेज और सीएम राइज स्कूल आज भी कांग्रेस शासन में बने स्कूलों और कॉलेजों की इमारतों में चल रहे हैं। सरकार योग्य शिक्षकों की भर्ती तक नहीं कर पा रही है।" सरकार "कोई नया टैक्स न लगाने" का ढोल पीट रही है, लेकिन हकीकत यह है कि पहले से ही पेट्रोल-डीजल पर भारी वैट लगाया जा रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि "नया टैक्स लगाने के बजाय पुरानी दरों को घटाने पर सरकार को विचार करना चाहिए।" प्रदेश सरकार 4 लाख करोड़ से अधिक के कर्ज में डूबी हुई है। उन्होंने कहा कि "पिछली भाजपा सरकार की तरह यह सरकार भी कर्ज लेकर घी पीने की रणनीति पर चल रही है, लेकिन इसका फायदा जनता को नहीं, बल्कि सरकारी प्रचार और तमाशेबाजी पर खर्च किया जा रहा है।" कमलनाथ ने कहा कि बजट में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए भी कोई ठोस योजना नहीं है। उन्होंने इस बजट को जनता की आकांक्षाओं के खिलाफ बताते हुए कहा कि "यह बजट सिर्फ दिखावे का पुलिंदा है, जिसमें जनता के लिए कुछ नहीं, सिर्फ हवा-हवाई बातें भरी गई हैं।

वास्तु और जीवन

समृद्धि एवं शांति का विज्ञान

दीपक सोनी, वास्तु विशेषज्ञ

वास्तु शास्त्र एक प्राचीन भारतीय विज्ञान है, जो भवन निर्माण, ऊर्जा संतुलन और जीवन में सुख-समृद्धि के नियमों को बताता है। यह केवल दिशाओं का ज्ञान नहीं, बल्कि एक संपूर्ण विज्ञान है, जो व्यक्ति के स्वास्थ्य, धन, और मानसिक शांति को प्रभावित करता है। सही वास्तु के अनुसार निर्मित घर, दुकान या कार्यालय में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है, जिससे सफलता और उन्नति का मार्ग खुलता है।

वास्तु का महत्व

वास्तु शास्त्र के अनुसार, भवन का सही निर्माण व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करता है। यदि घर या व्यवसाय स्थल का वास्तु सही हो, तो उसमें रहने या कार्य करने वाले लोगों को मानसिक शांति, सफलता और स्वास्थ्य लाभ मिलता है। कुछ महत्वपूर्ण बिंदुः

घर का मुख्य द्वारः यह सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार होता है। उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में मुख्य द्वार रखना शुभ माना जाता है।

रसोई (किचन): आग और ऊर्जा का केंद्र होने के कारण इसे दक्षिण-पूर्व (अग्नि कोण) में रखना लाभकारी होता है।

बेडरूमः शांति और विश्राम के लिए दक्षिण-पश्चिम दिशा सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। तिजोरी और कैश बॉक्सः उत्तर दिशा में रखने से आर्थिक समृद्धि बढ़ती है।

बाथरूम एवं टॉयलेटः गलत दिशा में होने पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, इसे हमेशा उत्तर-पश्चिम या पश्चिम दिशा में रखना चाहिए।

व्यवसाय और वास्तु

वास्तु केवल घर तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार और उद्योग में भी इसकी अहम भूमिका होती है। सही दिशा में बैठने और कार्य करने से व्यापार में वृद्धि होती है। कुछ खास वास्तु टिप्सः दुकान या ऑफिस का मुख्य द्वार उत्तर या पूर्व दिशा में हो।

कैश काउंटर को उत्तर दिशा में रखें ताकि धन का प्रवाह बढ़े। कर्मचारियों की बैठक दक्षिण-पश्चिम दिशा में हो, ताकि स्थिरता बनी रहे।

नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के उपाय

घर में नियमित गंगाजल या गौमूत्र का छिड़काव करें।

तुलसी और मनी प्लांट जैसे शुभ पौधे लगाएं।

घर में सुबह-शाम दीप जलाना शुभ होता है।

वास्तु दोष निवारण के लिए पिरामिड, स्वस्तिक, और पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर लगाएं।

निष्कर्ष

सही वास्तु अपनाने से घर, ऑफिस और व्यापार में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं। यह केवल अंधविश्वास नहीं, बल्कि वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित जीवनशैली का मार्गदर्शन करता है। यदि आप भी अपने जीवन में समृद्धि, शांति और सफलता चाहते हैं, तो वास्तु के नियमों को अपनाएं और सुखद भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, गुरुवार 13 मार्च 2025
03
DIGITAL EDITION

शिवम पांडे खनियाधाना ब्लॉक एवं हरिओम परिहार रन्नौद को बनाया ब्लॉक अध्यक्ष

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ शिवपुरी जिला इकाई की बैठक आयोजित

जिले के ब्लॉक अध्यक्षों का हुआ मनोनयन

जगदीश पाल

शिवपुरी - मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ शिवपुरी जिला इकाई के द्वारा संगठन के प्रान्त अध्यक्ष दादा शलभ भदौरिया के निर्देश पर प्रदेश उपाध्यक्ष मेहताब सिंह तोमर, कार्य. अध्यक्ष व प्रभारी ग्वालियर चंबल संभाग सुरेश शर्मा के मार्गदर्शन में संभागीय कार्य. अध्यक्ष राजू यादव(ग्वाल) के साथ अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रशीद खान (गुड्डू), महासचिव अनुराग जैन, कार्य. अध्यक्ष राम यादव, कोषाध्यक्ष मणिकांत शर्मा, नि.अध्यक्ष नेपाल बघेल, जिला उपाध्यक्ष जकी खान की मौजूदगी में प्रथम नवीन जिला बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संरक्षक साजिद विद्यार्थी ने सभी पत्रकार साथियों को संबोधित करते हुए अपने कर्तव्य का निष्ठा के साथ पालन करने का आह्वान किया और सभी मिलकर कार्य करे। इस दौरान जिले की कार्यकारणी का विस्तार करते हुए जिलाध्यक्ष रशीद खान गुड्डू ने जिले के विभिन्न ब्लॉकों के पदाधिकारियों का मनोनयन किया और उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस दौरान नवीन जिला कार्यकारिणी में जिला उपाध्यक्ष के रूप में संतोष शर्मा शिवपुरी, विवेक व्यास कोलारस, जिला सचिव शाकिर खान कोलारस, ब्लॉक अध्यक्षों में कोलारस ब्लॉक अध्यक्ष राहुल शर्मा, करैरा ब्लॉक अध्यक्ष देवू परमार, पोहरी ब्लॉक अध्यक्ष देवी सिंह जादौन, पिछोर अध्यक्ष रामकृष्ण पाराशर, खनियाधाना अध्यक्ष शिवम पांडे, रन्नौद ब्लॉक अध्यक्ष हरिओम परिहार ,नरवर ब्लॉक अध्यक्ष हनुमंत सिंह रावत, बदरवास ब्लॉक अध्यक्ष शील कुमार यादव को मनोनीत किया गया और सभी को नियुक्ति पत्र प्रदान करते शीघ्र ब्लॉक कार्यकारिणी बनाई जाकर जिला मुख्यालय पर भेजी जावे ताकि संगठन में अधिक से अधिक साथी शामिल हो सके। इस अवसर पर बैठक का संचालन संभाग कार्य. अध्यक्ष राजू यादव(ग्वाल) ने जबकि संगठन पर वक्तव्य नेपाल बघेल ने दिया और अंत में आभार प्रदर्शन राम यादव के द्वारा व्यक्त किया गया। बैठक में सभी ब्लॉकों से पत्रकार साथी शामिल हुए।

रंगोत्सव का शुभारंभ

होली का उत्सव प्रारंभ

भारत देश त्योहारों का देश है हर धर्म मजहब का त्योहार यहाँ धूमधाम से मनाया जाता है इनमें से ही रंगों का त्योहार होली का रहता है होली का त्योहार पारंपरिक रूप से शताब्दियों से मनाया जा रहा है यह त्योहार हमें सारे गिले शिकवे भुलाकर मिल जुलकर सोहार्द पूर्ण रहने व धूमधाम से पर्व मनाने का संदेश देता है होली का उत्सव प्रेम और शब्द भावना का प्रतीक है इस त्योहार पर आमिर ग़रीब छोटा बड़ा सब वर्ग के लोग मिलकर एक दूसरे को रंग गुलाल सम्मानपूर्वक लगाते हैं और रंगों से होली खेलते हैं यह त्योहार बुराइयों पर अच्छाई का प्रतीक है आज नगर में साप्ताहिक बाजार के अवसर पर आदिवासी समाज द्वारा नगर के प्रमुख मार्गों से एक जुलूस निकाला गया जुलूस में बच्चे ,बुजुर्ग, युवक, युवती सभी शामिल थे और सभी लोग आदिवासियों का परंपरागत मंडल ढोल डीजे की धुन पर नाच गा रहे थे युवाओं के हाथ में आदिवासी समाज का प्रमुख हथियार तीर कमान लेकर चल रहे थे महाकाल मार्ग चौराहा पर इस जुलूस का स्वागत नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अरुण राठौड़ उपाध्यक्ष निर्भय सिंह तलाया मार्केटिंग सोसाइटी उपाध्यक्ष प्रतिनिधि अजय जोशी जन परिषद हैटपिप्लिया चैप्टर के अध्यक्ष संजय प्रेम जोशी वार्ड 6 के पार्षद विनोद जोशी आदि ने भी इस जुलूस में शामिल होकर उनके नृत्य में उनका साथ दिया स्वागत किया इस अवसर पर पुलिस प्रशासन की व्यवस्था माकूल रही।

कलेक्टर आशीष सिंह इंदौर की सांस्कृतिक विरासत के लिए आगे आए..

गेर निकालने में असमर्थता जताने वाले गेर संचालक को कलेक्टर ने दिए 2 लाख

आर्थिक तंगी के चलते इस बार रंग पंचमी के मौके पर गेर निकालने में असमर्थता जाहिर करने वाले एक गेर संचालक को कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने 2 लाख रु की मदद देने के निर्देश दिए हैं। संभवतः आज गैर संचालक को उक्त राशि का चेक दे दिया जाएगा। उक्त गेर संचालक द्वारा द्वारा पिछले 25 वर्षों से टोरी कॉर्नर गेर क्लब के नाम से गेर निकाली जाती है। इस बार गेर के संचालक शेखर गिरी ने कल कलेक्टर कार्यालय में आयोजित बैठक में आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए गेर निकालने में असमर्थता जाहिर की थी। कलेक्टर आशीष सिंह ने गेर संचालक को भरोसा दिलाया था कि वह गेर जरूर निकालें अपनी गेर की परंपरा जारी रखें। जिला प्रशासन आर्थिक मदद करेगा । कलेक्टर आशीष सिंह ने बैठक में अन्य गेर संचालकों को भी आर्थिक मदद देने का प्रस्ताव किया था लेकिन अधिकांश गेर संचालकों ने आर्थिक मदद लेने से इनकार कर दिया। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि गेर इंदौर की सांस्कृतिक विरासत है। इसे किसी भी सूरत में बंद नहीं होने दिया जाएगा।

विवेक बिंद्रा और उनकी पत्नी यानिका बिंद्रा की नकारात्मक खबर चलाने वालों के मुँह पर लगा ताला!

विवेक बिंद्रा की वैवाहिक सुख की खबरों से लोग हो रहें है मोटिवेट

विवेक बिंद्रा के फैंस बोले मोटिवेशन की दुनिया के है बिंद्रा विश्व गुरु

नई दिल्ली। भारत ही नहीं विश्व स्तर पर मोटिवेशन कि दुनिया में खास पहचान बनाने वाले मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्राऔर उनकी पत्नी के निजी जीवन को लेकर मीडिया नें जो नकारात्मक खबरें चलाई थीं अब उन खबरों पर उसे वक्त पूर्णविराम लग गया जब महाकुंभ की पाबन भूमि संगम से विवेक बिंद्रा और उनकी पत्नी यानिका बिंद्रा की मां गंगा में डुबकी लगाते वीडियो और फोटो मीडिया में आई। हालांकि एक वर्ष पहले विवेक बिंद्रा वैवाहिक जीवन को लेकर हज़ारों मीडिया हाउस नें नकारात्मक खबरें चलाई थी आज उनके जीवन से जुडी पॉजिटिव खबरों नें फिर से विवेक बिंद्रा के जीवन में खुशियाँ भरने का काम किया है पर दुनिया को मोटिवेट करने वाले विवेक बिंद्रा नें कभी किसी पर टिप्पणी नहीं की ये बड़ी बात है।

प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, डिजिटल मीडिया, वेब मीडियाऔर सोशल मीडिया आज हमारे जीवन का एक हिस्सा बन गया है, जितना इसका सदुपयोग होना चाहिए उतना सदुपयोग हो नहीं रहा है बल्कि इसका दुरुपयोग ज्यादा होनें लगा है इसी दुरूपयोग के चलते हज़ारों लोगों कि जिंदगी आगे बढ़ने से रुक जाती है। मीडिया के इसी दुरूपयोग का हिस्सा बन गए मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्रा हालांकि विवेक बिंद्रा जी एक वर्ष पहले भी जिस ऊंचाइयों पर थे आज भी वहीं है सवाल उनकी या किसी कि ऊंचाइयों का नहीं है सवाल है मीडिया द्वारा फैलाई गई नकारात्मकता का जो वें वजह फैलाई जाती है।

मीडिया द्वारा टीआरपी के खतरनाक खेल के चलते हज़ारों लोगों को नुकसान झेल पड़ता है। विवेक बिंद्रा की पत्नी यनिका बिंद्रा ने नकरात्मकता फ़ैलाने वालों की सोच पर जड़ा ताला जाने-माने मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्रा जो वैवाहिक संबंधों को लेकर सुर्खियों में थे।अब उनके पर्सनल लाइफ से जुड़ी अच्छी खबर सामने आ रही है। विवेक बिंद्रा और उनकी पत्नी यानिका बिंद्रा के बारे में जो बातें हो रही थी वो निराधार है। दोनों के संबंध में मजबूत हैं दोनों ही एक-दूसरे के साथ खुश नजर आ रहे हैं और दुनिया के दूसरे सभी जोड़ों के लिए मिसाल बन रहे हैं। विवेक बिंद्रा और यानिका के संबंध कितने मधुर हैं इस बात का अंदाजा आप इस से लगा सकते हैं कि महाकुंभ में ये दोनों संगम में एक साथ डुबकी लगाते नजर आए। इसके अलावा दोनों एक साथ कई धार्मिक कार्यक्रमों में भी भाग ले रहे हैं। एक साथ पूजा करने की ये तस्वीर देखिये ये जोड़ा कितना ध्यान मग्न दिखाई दे रहा है।

विवेक बिंद्रा की पत्नी यानिका बिंद्रा ने इंस्टाग्राम पर इसको लेकर पोस्ट भी किया... जिसमें उन्होंने लिखा कि पहले भी साथ थे, साथ हैं और आगे भी साथ रहेंगे... उन्होंने अपने संबंधों को प्राइवेट रखा था... उन्होंने अपील भी की है कि नकारात्मक कमेंट्स से बचें... और हमारे रिश्ते को आशीर्वाद प्रदान करें.

आपको बता दें कि वर्तमान समय में कई जाने-माने क्रिकेटर और फिल्म स्टार के तलाक की खबरें सामने आ रही है... ऐसे में विवेक बिंद्रा की ये कहानी ऐसे जोड़ों को मोटिवेट भी करेगी। आपको बता दें कि विवेक बिंद्रा और उनकी बीवी यानिका बिंद्रा के तलाक की चर्चा हो रही थी लेकिन इस बात पर विवेक बिंद्रा की पत्नी यानिका बिंद्रा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट डाल कर सारी बातों को खारिज कर दिया. ये खबर विवेक बिंद्रा के चाहने वालों के लिए सुखद है। एक वर्ष पहले हिंदुस्तान की मीडिया में विवेक बिंद्रा और उनकी धर्मपत्नी यानीका बिंद्रा को लेकर तरह तरह कि खबरें मीडिया में चलाई गई लेकिन मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्रा ने पेशेंस रखते हुए पूरे मामले को अमृत समझकर पी लिया और चुपचाप देखते रहे। विवेक बिंद्रा जी नें मीडिया तब कुछ नहीं बोला और आज दुनिया भर की मीडिया ने उनके वैवाहिक सुख से संबंधित खबरें छापी और चैनल पर भी प्रसारित की तब भी विवेक बिंद्रा जी चुप चाप रहे। दुनियां को मोटिवेट करने वाले मोटिवेट गुरु विवेक बिंद्रा जी दोस्तों सही मायने में मोटिवेशन की दुनिया के विश्व गुरु है, ये उन्होंने 1 साल में साबित कर दिया। 1 साल से विवेक बिंद्रा और उनकी पत्नी की चुप्पी नें नकारात्मक फैलाने वालों के मुँह पर आज ताला जड़ दिया है।

बजट 2025-26 ऐतिहासिक, प्रदेश के विकास की नई इबारत लिखेगा - श्री सुमित मिश्रा

यह ऐतिहासिक बजट विकास की नई रोशनी लेकर आया है-श्री सुमित मिश्रा

इंदौर। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट प्रदेश के समग्र विकास को गति देने वाला है। भारतीय जनता पार्टी के इंदौर महानगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह बजट बिना किसी नए कर के प्रदेश की सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक और आध्यात्मिक उन्नति को सुनिश्चित करेगा। यह बजट प्रदेश की जनता के सपनों को साकार करने वाला है। वर्ष 2025-26 का यह बजट विकास की रोशनी फैलाने वाला है, जो बिना किसी नए कर के सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक और आध्यात्मिक प्रगति को गति देगा।

उद्योग, व्यापार और रोजगार को नई दिशा

श्री सुमित मिश्रा ने कहा कि यह बजट उद्योग एवं व्यापार जगत की उम्मीदों पर खरा उतरेगा और निवेश को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने लाड़ली बहना योजना और युवा रोजगार योजनाओं को प्रदेश के लिए मील का पत्थर बताया।

आध्यात्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

उन्होंने 'श्रीकृष्ण पाथेय योजना' और 'राम पथ गमन अंचल योजना' को प्रदेश के धार्मिक पर्यटन के लिए क्रांतिकारी कदम बताया। साथ ही, हर जिले में गीता भवन के निर्माण की योजना को सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने वाला बताया।

स्वास्थ्य और परिवहन के क्षेत्र में बड़ा कदम

'सीएम केयर योजना' के तहत गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधा को बजट का बेहतरीन प्रावधान बताते हुए श्री मिश्रा ने मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इंदौर और भोपाल मेट्रो परियोजना को गति देने के निर्णय को प्रदेश के शहरी विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

समावेशी विकास की नई परिभाषा

उन्होंने कहा कि यह बजट गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी (GYAN) के कल्याण का समावेशी एजेंडा प्रस्तुत करता है। मुख्यमंत्री समृद्ध परिवार योजना से समाज के अंतिम पंक्ति तक लाभ पहुंचेगा। वहीं, स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन से युवाओं की दक्षता में वृद्धि होगी।

मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने का संकल्प

नगर अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'विकसित भारत' विजन को साकार करने की दिशा में यह बजट एक ठोस कदम है। यह 2047 के 'विकसित मध्यप्रदेश - आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश' के संकल्प का रोडमैप है।

राम पथ गमन अंचल योजना – 30 करोड़,श्रीकृष्ण पाथेय योजना – 10 करोड़, गीता भवन निर्माण – 100 करोड़, वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना – 50 करोड़, पुलिस आधुनिकीकरण – 12,876 करोड़,मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना – 80 करोड़, सड़कों और पुलों के विकास हेतु – 16,436 करोड़

मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री का आभार

श्री सुमित मिश्रा ने बजट को प्रदेश के विकास की नई रोशनी बताते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह बजट हर वर्ग के सपनों को साकार करेगा और मध्यप्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

बीटेक के लिए ईई या ईसीई कौन बेहतर?

टेक्नोलॉजी एडवांसमेंट्स के साथ इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों की मांग बढ़ रही है लेकिन बीटेक के लिए ईई या ईसीई कौन बेहतर है और क्या अंतर है?

अगर आप इंजीनियरिंग कोर्स को लेकर कन्फ्यूज हैं, तो हम आपकी उलझन थोड़ी दूर कर देते हैं। ये आर्टिकल इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के बारे में है। जान लें- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में क्या अंतर है? दोनों में कौन सी ब्रांच बेहतर है?

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग क्या है?

यह मुख्य रूप से उन उपकरणों, डिवाइस और सिस्टम स्टडी, डिजाइन एंड एप्लिकेशन से संबंधित है, जो बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत चुंबकत्व का उपयोग करते हैं। यह उन्हें इलेक्ट्रिकल उपकरण डिजाइन करने में मदद करता है, जैसे कि इलेक्ट्रिक मोटर, रडार और नेविगेशन सिस्टम, कम्युनिकेशन सिस्टम, बिजली उत्पादन उपकरण, ऑटोमोबाइल और विमान। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों के पास नौकरी के बहुत से विकल्प हैं और उन्हें कई क्षेत्रों में काम मिल सकता है। वे कंट्रोल इंजीनियरिंग, प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग, टेस्ट इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, टेली कम्युनिक्शन इंजीनियरिंग, डिजाइन इंजीनियरिंग, सिस्टम इंजीनियरिंग, एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, रीन्युएबल एनर्जी सेक्टर, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स में काम कर सकते हैं। भारत में एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ग्रेजुएट की शुरुआती सैलरी औसत 4.5 लाख रुपये प्रति वर्ष है। यह इस बात पर निर्भर कर सकता है कि वे कहां काम करते हैं, उनके पास कितना अनुभव है, और वे किस उद्योग में हैं। शुरुआती वेतन अक्सर अच्छा होता है और अधिक अनुभव के साथ वे अधिक कमाते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग क्या है?

ये एक विविध इंजीनियरिंग क्षेत्र है जो इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार नेटवर्क को डिजाइन करने, विकसित करने और लागू करने पर केंद्रित है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग ग्राहक और परियोजना आवश्यकताओं की पहचान करते हैं, समाधान खोजते हैं, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और सिस्टम डिजाइन करते हैं, फर्मवेयर और एम्बेडेड सॉफ्टवेयर विकसित करते हैं, प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं, और निर्माण की देखरेख करते हैं। वे अगली पीढ़ी के गैजेट और बुनियादी ढांचे का आविष्कार करने के लिए अत्याधिक उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और संचार तकनीकों को एकीकृत करने का काम करते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग एक बहुत ही बहुमुखी क्षेत्र है। ईसीई इंजीनियरों को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार बुनियादी ढांचे को विकसित करने वाले उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में रोजगार मिलता है। कुछ शीर्ष क्षेत्र हैं दूरसंचार, एयरोस्पेस, डिफेंस, मोटर व्हीकल, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली व्यवस्था और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग। भारत में एक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियर के लिए औसत शुरुआती वेतन 4 लाख प्रति वर्ष है। EE की तरह, वेतन स्थान, अनुभव के वर्षों, कौशल और नियोक्ता के आधार पर अलग-अलग होता है।

EE और ECE में कौन सी इंजीनियरिंग ब्रांच बेहतर है?

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (EE) और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ECE) दोनों शाखाएं समान रूप से अच्छी हैं। लेकिन, यह सब व्यक्ति की रुचि के क्षेत्र पर निर्भर करता है। मुझे लगता है कि छात्र को भविष्य के लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए। एक बार जब वह इसके बारे में सुनिश्चित हो जाता है, तो वह अपनी पसंद की स्ट्रीम चुन सकता है।

जल प्रबंधन की फील्ड में बनाएं शानदार करियर

अगर आप लीक से हटकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए यह आर्टिकल जरूरी साबित हो सकता है। क्योंकि हम यहां पर आपको पानी से जुड़ी करियर के बारे में बता रहे हैं। आप भी एक वॉटर डिप्लोमैट के रूप में बढ़िया करियर बना सकते हैं। अगर आप इस फील्ड में करियर बनाते हैं तो आपको बढ़िया सैलरी भी मिलेगी।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। ये समस्याएं एक राज्य या फिर एक देश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वैश्विक हैं। ऐसे में जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। अगर आप भी इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो आपके भविष्य उज्जवल हो सकता है। क्योंकि इस फील्ड में अच्छी नौकरी के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं कि इस फील्ड में करियर बनाकर आप कितनी सैलरी पा सकते हैं। वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट में वेतन अच्छा होता है। हालांकि, यह कई बातों जैसे - अनुभव, शिक्षा, कार्यक्षेत्र और जिस संस्था में आप काम करते हैं, उस पर निर्भर करता है।

शुरुआती पद

शोध सहायक या जूनियर नीति विश्लेषक जैसे शुरुआती पदों पर सालाना वेतन 40,000 से 60,000 अमेरिकी डॉलर के बीच हो सकता है।

अनुभवी पेशेवर

अनुभवी पेशेवरों के लिए जिनके पास कई सालों का अनुभव और विशेष कौशल है। उन्हें वेतन 60,000 से 1,00,000 अमेरिकी डॉलर या उससे भी ज्यादा मिल सकता है।

वरिष्ठ पद

निदेशक या वरिष्ठ नीति सलाहकार जैसे वरिष्ठ पदों पर सालाना वेतन 1,00,000 से 1,50,000 अमेरिकी डॉलर के बीच होता है। सबसे ज्यादा वेतन अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं, सरकारी एजेंसियों या परामर्श फर्मों में मिलता है। इसके अलावा, जिन लोगों के पास मास्टर्स या पीएच.डी. जैसी उच्च शिक्षा है, उनके उच्च वेतन पाने और कैरियर में तेजी से तरक्की करने की संभावना अधिक होती है।

जल प्रबंधन में प्रमाणन कार्यक्रम

इसी दिशा में काम करते हुए जल प्रबंधन संस्थान भारतीय और विदेशी नागरिकों के लिए प्रमाणित जल लेखाकार /विशेषज्ञ बनने के लिए एक प्रमाणन कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इस कार्यक्रम में कई तरह के कोर्सेज पर ट्रेनिंग दिया जाएगा।

गौतम गंभीर ने तैयार किया रोडमैप

IPL 2025 के दौरान करेंगे यह बड़ा काम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम अभी दुबई में तिरंगा लहरा कर आई है. उसने न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता है. अब अगले करीब 2 महीने तक टीम इंडिया को कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेलना है, क्योंकि 22 मार्च-25 मई तक पूरा भारतवर्ष आईपीएल2025 के रोमांच का आनंद ले रहा होगा. इस बीच खबर सामने आई है कि टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड रवाना होने वाले हैं. बता दें कि जून-जुलाई के महीने में भारत को इंग्लैंड के साथ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है. 20 जून को भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले गौतम गंभीर इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड का दौरा करके आएंगे. यह गौर करने वाली बात है कि इंडिया ए टीम के पास कोई कोच नहीं है, ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि गौतम गंभीर केवल एक समीक्षक के रूप में इंडिया ए टीम के साथ जाएंगे या फिर वीवीएस लक्ष्मण इस टीम के कोच होने का पदभार संभालेंगे. बताते चलें कि लक्ष्मण अभी नेशनल क्रिकेट अकादमी में हेड ऑफ क्रिकेट के पद पर कार्यरत हैं. गंभीर यदि इंग्लैंड जाते हैं तो यह किसी विदेशी दौरे पर पहली बार होगा जब इंडिया ए के साथ सीनियर टीम का कोच मौजूदा रहेगा.

रोडमैप तैयार कर रहे गौतम गंभीर

सूत्रों ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापस आने के बाद गौतम गंभीर लगातार बीसीसीआई अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे हैं. गंभीर ने खुद इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड जाने की इच्छा जाहिर की है, जिससे उन्हें रिजर्व खिलाड़ियों का भी एक आइडिया मिल सके. इसके अलावा गंभीर ने अभी से अगले 2 साल का रोडमैप तैयार करना शुरू कर दिया है. बता दें कि अगले 2 साल के भीतर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप, 2026 टी20 वर्ल्ड कप और 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप भी खेला जाना है.

संन्यास लेने से पहले रोहित की नजर वनडे विश्व कप खिताब पर होगी: रिकी पोंटिंग

दुबई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी रिकी पोंटिंग का मानना है कि रोहित शर्मा अब भी दमदार खिलाड़ी हैं तथा वह 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले वनडे विश्व कप तक भारतीय टीम का नेतृत्व करना जारी रख सकते हैं। रोहित की कप्तानी में भारत ने वनडे विश्व कप को छोड़कर आईसीसी के बाकी टूर्नामेंट जीते हैं।

उनकी अगुवाई में भारतीय टीम 2023 में घरेलू धरती पर खेले गए वनडे विश्व कप को जीतने के करीब पहुंची थी लेकिन फाइनल में उसे आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा कि रोहित अपने भविष्य के लक्ष्यों को लेकर काफी हद तक स्पष्ट हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, 'जब आप अपने करियर के इस पड़ाव के करीब पहुंचते हैं तो हर कोई आपके संन्यास लेने का इंतजार कर रहा होता है। मैं नहीं जानता कि ऐसा क्यों होता है। वह भी तब जबकि आप अच्छा खेल रहे हो जैसा कि उन्होंने (चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में) अच्छी पारी खेली थी। पोंटिंग ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह उन सवालों को हमेशा के लिए खत्म करने की कोशिश कर रहे थे और कह रहे थे, नहीं, मैं अब भी काफी अच्छा खेल रहा हूं।

मुझे इस टीम में खेलना पसंद है। मुझे इस टीम का नेतृत्व करना पसंद है। पोंटिंग ने कहा, 'मेरे लिए इसका मतलब यह है कि उनके मन में 2027 में होने वाले अगले वनडे विश्व कप में खेलना लक्ष्य होना चाहिए। रोहित ने 2021 में 34 वर्ष की उम्र में भारतीय टीम की कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में भारत ने रविवार को यहां खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इससे पहले भारत ने पिछले साल रोहित की कप्तानी में ही वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में 252 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित की 83 गेंद पर खेली गई 76 रन की पारी की मदद से आसन जीत हासिल की।

आईपीएल 2025 से पहले कोलकाता पहुंचे नाइट राइडर्स

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले अपने अंतिम प्री-सीजन कैंप की शुरुआत करने के लिए सिटी ऑफ जॉय पहुंचे। 12 मार्च से प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में होने वाला यह कैंप सीजन ओपनर से पहले टीम की तैयारी का आखिरी चरण होगा।

प्री-सीजन कैंप में नए कप्तान और मजबूत कोचिंग स्टाफ के नेतृत्व में रणनीति को बेहतर बनाने और टीम के तालमेल को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा। हेड कोच चंद्रकांत पंडित के नेतृत्व में, सहायक कोच के रूप में ओटिस गिब्सन और टीम के मेंटर के रूप में डीजे ब्रावो के शामिल होने से कोलकाता नाइट राइडर्स के आईपीएल 2025 अभियान में नई ऊर्जा आएगी। गत चैंपियन 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेंगे।

केकेआर ने आईपीएल फाइनल में चार बार भाग लिया है, जिसमें से तीन बार (2012, 2014, 2024) चैंपियनशिप जीती है। वे 2021 सीजन में उपविजेता रहे, जिसने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे बेहतरीन वापसी की। नाइट राइडर्स द्वारा फ्रैंचाइज़ी संभालने के बाद से टीकेआर पुरुष टीम ने 10 वर्षों में चार बार सीपीएल चैंपियनशिप जीती है।

वह कैरिबियन की सबसे सफल टीम है और पूरे टूर्नामेंट में एक भी गेम हारे बिना 2020 में ट्रॉफी जीतने का बेहतरीन रिकॉर्ड उनके नाम है। नाइट राइडर्स की पहली महिला टीम टीकेआर 2022 में उद्घाटन डब्ल्यूसीपीएल की चैंपियन थी।

बड़ा हादसा टला : झाबुआ से इंदौर आ रही चार्टर्ड बस में अचानक लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

बस जलकर ख़ाक, 20 से ज्यादा यात्री सवार थे

इंदौर। इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर राजगढ़ के समीप झाबुआ से इंदौर आ रही एक चार्टर्ड बस में बुधवार को अचानक आग लग गई। बस में 20 से ज्यादा यात्री सवार थे। उन्हें आग लगते ही बस से उतार दिया गया। आग लगने की सूचना पर फायर वाहन मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया, लेकिन तक बस पूरी तरह जल चुकी थी। बस में आग की घटना के बाद फोरलेन पर दोनों और वाहनों की लंबी कतार लग गई। इस दौरान करीब एक किलोमीटर दूर तक धुएं का गुबार देखा गया।

बस के चालक उमेश डामोर ने बताया कि चार्टर्ड बस झाबुआ से इंदौर जाने के लिए निकली थी, तभी राजगढ़ के समीप बस के अंदर से जलने की बदबू आने लगी। बस रोकी और नीचे उतरकर देखा तो इंजन के हिस्से में आग दिखाई दी। आग पर पानी डालकर बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन आग बढ़ती ही जा रही थी। इसी बीच बस में सवार यात्रियों को बस से उतार दिया था। थोड़ी ही देर में बस हर तरफ से जलने लगी और आग ने विकराल रूप ले लिया।

चार्टर्ड बस में लगी आग लगने की घटना से फोरलेन किनारे स्थित ढाबों में अफरा-तफरी मच गई। फोरलेन के दोनों और वाहनो की कतार भी लग गई। आग लगने की सूचना पर राजगढ़ नगर परिषद की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची तथा कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। कुछ ही समय बाद नगर परिषद सरदारपुर की फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंच गई थी। फोरलेन के दोनों और वाहनों की लगी लंबी कतार से यातायात बाधित होने लगा जिसे बाद में पुलिसकर्मियों ने बहाल करवाया। बस में सवार यात्रियों ने बताया कि हल्का धुआं नजर आते ही चालक ने सभी यात्रियों को उतार दिया था और यात्रियों का सामान भी निकाल दिया था। बाद में यात्रियों को दूसरी बस से रवाना किया गया।

इंदौर की ऐतिहासिक इमारतें और बाजार रंगपंचमी से पहले तिरपाल में लिपटे!

इंदौर। होली का खुमार पूरे शहर में छाया हुआ है और अब रंगपंचमी के रंगों से शहर को सुरक्षित रखने की तैयारियां जोरों पर हैं। शहर की ऐतिहासिक इमारतों, प्रतिष्ठानों और व्यावसायिक केंद्रों को तिरपाल से ढकने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है ताकि होली और रंगपंचमी के दौरान उड़ने वाले रंग-गुलाल से इन्हें बचाया जा सके। इंदौर में रंगपंचमी पर निकलने वाली प्रसिद्ध गेर अपने भव्यता और रंगों की बौछार के लिए जानी जाती है। 20 से 30 फीट ऊंचाई तक गुलाल उड़ाने वाली मशीनों से हजारों लोग सराबोर होते हैं, जिससे ऐतिहासिक इमारतों और प्रतिष्ठानों को रंगों से नुकसान न हो, इसलिए प्रशासन और व्यापारियों ने राजबाड़ा, खजूरी बाजार, कृष्णपुरा छत्री, मालगंज, पिपली बाजार, राज मोहल्ला जैसे प्रमुख स्थानों पर तिरपाल लगाने की शुरुआत कर दी है।

तीन दिनों तक चलेगा तिरपाल लगाने का अभियान

रंगपंचमी के चलते पूरे शहर में गेर मार्गों को खासतौर पर सुरक्षित किया जा रहा है। व्यापारियों और प्रशासन की टीमों ने दो दिनों से यह काम शुरू कर दिया है और अगले तीन दिनों तक यह अभियान जारी रहेगा। शहर के बाजारों में रंगों की बौछार से बचाव के लिए हाईराइज बिल्डिंग्स और प्रतिष्ठानों पर भी विशेष सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं। इंदौर की रंगपंचमी पूरे प्रदेश में अपनी भव्यता और उत्साह के लिए मशहूर है। यहां की फाग यात्राएं और गेर दुनिया भर में अनोखी मानी जाती हैं। हजारों लोगों की भीड़, ढोल-नगाड़ों की गूंज और गुलाल की रंगीन आंधी इस पर्व को और खास बना देती है। इसी उत्साह को बनाए रखने के लिए प्रशासन और नागरिकों ने मिलकर शहर की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने का जिम्मा उठाया है।

रंगपंचमी की धूम ङ्क परंपरा और आधुनिकता का अनूठा संगम

इंदौर में हर साल रंगपंचमी पर रंगों की गंगा बहती है। इस दौरान शहर की ऐतिहासिक इमारतों को सुरक्षित रखने के लिए किए गए ये प्रयास न सिर्फ परंपरा को सहेज रहे हैं, बल्कि आधुनिक व्यवस्थाओं के साथ इस त्यौहार को और भव्य बना रहे हैं। इंदौर की गेर और रंगपंचमी एक बार फिर पूरे देश को अपने रंगों में रंगने के लिए तैयार है!

इंदौर में मानवता की मिसाल: 50 लाख का भूखंड सिर्फ 1 रुपए में!

60 साल से किराए पर रहने वाले 5 गरीब परिवार बने मकान के मालिक, पूरे मोहल्ले ने मनाया जश्न!

इंदौर। कहते हैं कि इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं, और इसका जीता-जागता उदाहरण इंदौर के गोमा की फैल में देखने को मिला, जहां 60 साल से किराए पर रहने वाले पांच गरीब परिवारों को महज 1 रुपए के अनुबंध पर 50 लाख रुपए का भूखंड सौंप दिया गया। इस ऐतिहासिक फैसले के बाद पूरे मोहल्ले में जश्न का माहौल रहा, लोगों ने सहभोज का आयोजन कर खुशी का इज़हार किया। पिछली बारिश में जब कई दशकों पुराने जर्जर मकान ढह गए, तो यहां रहने वाले किरायेदारों के सामने बेघर होने का संकट आ खड़ा हुआ। किराए पर रहने के लिए उन्हें बड़ी रकम चुकानी पड़ती, जो उनकी सामर्थ्य से बाहर थी। ऐसे में क्षेत्रीय पार्षद नंदकिशोर पहाड़िया और महापौर परिषद के सदस्य आगे आए और मकान मालिक से चर्चा कर इन गरीब परिवारों को खुद के मकान दिलवाने का प्रयास शुरू किया।

मकान मालिक गुप्ता परिवार ने दिखाया बड़ा दिल

अक्सर मकान मालिक और किराएदारों के बीच विवाद की खबरें सामने आती हैं, लेकिन गोमा की फैल में गुप्ता परिवार ने एक अनूठी मिसाल पेश की। चार भाइयों से बनी इस परिवार ने अपने पुराने किराएदारों को बेघर करने के बजाय उन्हें मालिक बनाने का ऐतिहासिक फैसला लिया। 1500 वर्गफीट के इस भूखंड की बाजार में कीमत 50 लाख रुपए थी, लेकिन इसे मात्र 1 रुपए के अनुबंध पर किराएदारों के नाम कर दिया गया। मकान मालिकों ने जब अपनी सहमति दी, तो नोटरी के जरिए भूखंड को पांच हिस्सों में विभाजित कर सभी किरायेदारों के नाम कर दिया गया। नगर निगम में खाता खुलवाने के लिए 1 रुपए का औपचारिक अनुबंध किया गया। इसके बाद नए मकानों का निर्माण करवाया गया और फिर गृह प्रवेश के लिए भव्य मुहूर्त रखा गया।

मोहल्ले में गूंजे ढोल-नगाड़े, सहभोज में हजारों ने लिया हिस्सा!

इन गरीब परिवारों को अपने खुद के मकान की चाबी मिली, तो उनकी आंखें खुशी से छलक पड़ीं। मोहल्ले के लोगों ने ढोल-नगाड़ों के साथ इस ऐतिहासिक दिन का जश्न मनाया। पूरे मोहल्ले में सहभोज का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया और गुप्ता परिवार के इस नेक कार्य की सराहना की।

होली पर्व पर भद्राकाल का साया, कब होगा शुभ होलिका दहन और रंगोत्सव की तैयारी!

इंदौर। रंगों और उमंगों का त्योहार होली इस बार कुछ खास बनकर आ रहा है, लेकिन फाल्गुन पूर्णिमा पर भद्राकाल का साया भी रहेगा, जिससे होलिका दहन का शुभ मुहूर्त सीमित समय के लिए रहेगा। इस बार होलिका दहन का मुहूर्त रात 11:28 बजे से लेकर रात 12:32 बजे तक रहेगा, यानी एक घंटा 4 मिनट का यह समय ही होगा, जब होलिका दहन करना शुभ माना जाएगा। आज से शहरभर में होली की तैयारियां जोरों पर हैं। फाल्गुन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर 14 मार्च को होली के रंगों से सराबोर होगा शहर, लेकिन पहले कल गुरुवार को होलिका दहन की तैयारियां भी पूरी हो चुकी हैं। शहर के प्रमुख इलाकों जैसे रानी पूरा, राजबाड़ा, मल्हारगंज, बजाज खाना चौक, मालवा मील, पाटनीपुरा, छावनी में होलिका दहन के लिए जोरों से काम चल रहा है। हर्बल रंगों और गुलाल की भारी मांग हो रही है, और हर कोई इस त्योहार को धूमधाम से मनाने के लिए तैयार है।

भद्राकाल का असर और शुभ मुहूर्त का समय

धार्मिक मान्यता के अनुसार, फाल्गुन पूर्णिमा तिथि कल सुबह 10:35 बजे से शुरू होगी, और 14 मार्च को दोपहर 12:24 बजे तक रहेगी। हालांकि, पूर्णिमा की शुरुआत के साथ ही भद्राकाल का असर भी शुरू हो जाएगा, जो रात 11:26 बजे तक रहेगा। इस समय होलिका दहन नहीं किया जाता, क्योंकि भद्राकाल को अशुभ माना जाता है। फिर, होलिका दहन का शुभ मुहूर्त रात 12:23 बजे तक रहेगा।

होलिका दहन का धार्मिक और पौराणिक महत्व होलिका दहन का पौराणिक महत्व बहुत गहरा है। प्राचीन कथा के अनुसार, हिरण्यकश्यप नामक एक राक्षस राजा था, जो स्वयं को ईश्वर मानता था और अपने राज्य में ईश्वर के नाम पर प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन उसका पुत्र प्रह्लाद ईश्वर का भक्त था। इस कारण हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को आदेश दिया कि वह प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठ जाए, क्योंकि होलिका को अग्नि से बचने का वरदान प्राप्त था। लेकिन जब होलिका आग में बैठी, तो वह जल गई, जबकि प्रह्लाद बच गया। तभी से प्रह्लाद की पूजा और होलिका दहन की परंपरा शुरू हुई, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बन गई।होलिका दहन के बाद, होलिका के अंगारों पर नई फसल का गेहूं सेंक कर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है, जो परिवार की समृद्धि और सुख-शांति की कामना का प्रतीक है।